IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राश्ट्रीय सेवा योजना के नवाचारों का दे□ा के विकास में योगदानः एक अध्ययन

डॉ. जितेन्द्र कुमार चौधरी

सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह(म.प्र.)

सारां□ाः— भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मागांधी के जन्म शताब्दी वर्ष 24 सितम्बर 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना इस आशा और विश्वास के साथ प्रारंभ की गई की उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व चेतना, स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करने हेतु समाज सेवा करें तथा अपनी शिक्षा की पूर्णता हेतु वास्तिक परिस्थिति से साक्षात्कार भी कर सकें। जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास हो।[1] राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना की यह भावना ही स्वयंसेवकों को नियमित एवं विशेष शिविर की गतिविधियों के लिए पाठ्यक्रमों के आधार पर तैयार कर विभिन्न नवाचारों को करने की प्रेरणा प्रदान करती है। जो देश के विकास में सहायक मानव पूँजी का निर्माण करती है।

अतः प्रस्तुत शोध आलेख दमोह जिला में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न शासकीय अशासकीय एवं तकनीकी महाविद्यालयों में संचालित रासेयो की 15 इकाईयों के 1500 वालेन्टियरों जिनमें 900 छात्र एवं 600 छात्राओं में से 7 शासकीय महाविद्यालयों की प्रमुख इकाईयों के 70 वालेन्टियरों का चयन कर नियमित गतिविधियों एवं विशेष शिविरों द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण से उनके द्वारा किये गये नवाचारों का वालेन्टियरों के विकास एवं देश के प्रति उनके योगदान का अध्ययन किया गया है।

खोज भाब्दः— रासेयो वालेन्टियर, रासेयो इकाईयां, नियमित गतिविधियां, विशेष शिविर, रासेयो का इतिहास

प्रस्तावनाः— राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं नवाचारों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावीय संस्थानिक उपक्रम है। जो की भारत सरकार, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित यह योजना मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के नियंत्रण में विश्वविद्यालय द्वारा 12+ विद्यालय/उच्च शिक्षा, तकनीकी, कृषि, चिकित्सा शिक्षा की संस्थाओं में स्थापित रासेयो इकाईयो के माध्यम से चलाई जाती है। जिसका एक व्यवस्थित राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबंध है। वही इसकी वित्तीय व्यवस्था में केन्द्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा 7:5 के अनुपास में की जाती है। जो इस 40 लाख वालेन्टियरों वाले संस्थानिक संगठन को व्यवस्थित संचालित करने में सहयोग प्रदान करती है।

राश्ट्रीय सेवा योजना का इतिहासः—स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभ से ही छात्रों को राष्ट्रीय सेवा के प्रति जागरूक करने का प्रयत्न होता रहा है। सन् 1950 में प्रथम शिक्षा आयोग ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा के लिए प्रथम शिक्षा आयोग ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा के लिए भावना के आधार पर प्रवेश के लिए संस्तुति की। इसके साथ ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के सुझाव पर डां. सी.डी. देशमुख की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया

गया जिसका उद्देश्य छात्रों को स्नातक कक्षाओं में प्रवेश से पूर्व राष्ट्रीय सेवा अनिवार्य रूप से करनी थी। प्रो. के.जी. सैउद्दीन विभिन्न देशों में युवाओं की राष्ट्रीय सेवा का अध्ययन कर चुके थे, उनका कहना था कि राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवकों के आधार पर प्रारंभ की जानी चाहिये। इसी प्रकार का सुझाव शिक्षा आयोग के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. कोठारी ने भी दिया।[2]

मध्यप्रदे□ा में राश्ट्रीय सेवा योजनाः— युग प्रवर्तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म शाताब्दी वर्ष 1969 में 24 सितम्बर का राष्ट्रीय सेवा योजना देश के 37 विश्वविद्यालय के 40000 छात्र—छात्राओं के माध्यम से प्रारंभ की गई। जिनमें मध्यप्रदेश के इंदौर एवं सागर विश्वविद्यालय के 258 छात्र—छात्राएँ सम्मिलित थे। मध्यप्रदेश के युवा विद्यार्थियों में यह योजना अत्यंत लोकप्रिय हुई जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में यह योजना प्रदेश के 7 विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 153700 से अधिक छात्र—छात्राओं को लेकर समाज सेवा माध्यम से व्यक्तित्व विकास की दिशा में अग्रसर है।[3]

राश्ट्रीय सेवा योजना—स्वयंसेवक (वालेन्टियर)

राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित महाविद्यालयों में कार्यक्रम अधिकारियों के माध्यम से विद्यार्थी अपना नाम रासेयो वालेन्टियर के रूप में पंजीयन कराना होता है। जहां उसे एक वर्ष में न्यूनतम 120 घण्टे के लिए समाज कार्य में रखने के हिसाब से निरतंर दो वर्ष की अवधि के लिए अर्थात 240 घंटे के लिए नियमित गतिविधि एवं विशेष शिविर में भाग लेकर विभिन्न गतिविधियों को कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में सम्पन्न करना होता है।

रासेयो—कार्यक्रम अधिकारीः—

रासेयो कार्यक्रम अधिकारी—राष्ट्रीय सेवा योजना की जड़ के समान है। वही सबसे प्रमुख जिम्मेदार एवं महत्वपूर्ण कड़ी है। यह एक महत्वपूर्ण अधिकारी है जो विद्यार्थियों को सामुदायिक क्षेत्र में ले जाता है और सामुदायिता का वास्तविकताओं से वालेन्टियर को परिचित कराता है।

रासेयो—इकाईयां

विश्वविद्यालयों द्वारा जिले के महाविद्यालयों में रासेयो की इकाईयां पंजीबद्ध या खोली जाती है। महाविद्यालय में छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए आवाश्यकतानुसार एक या दो इकाईयों या उनसे अधिक इकाईयां प्राचार्यो के समन्वय द्वारा स्थापित की जाती है। संस्था की रासेयो की एक यूनिट मे एक कार्यक्रम अधिकारी के अधीन 100 छात्र होते है। अपवाद स्वरूप कुछ मामलों में यह संख्या थोड़ी कम या ज्यादा हो सकती है।

नियमित गतिविधियांः—

'ए' 'बी' 'सी' प्रमाण पत्रों के आधार पर वालेन्टियरों को वर्ष भर कुछ गतिविधियों को अनिवार्य रूप से तथा कुछ को चयनात्मक गतिविधियों के रूप में करना होता है।

अनिवार्य गतिविधियों में —1 अभिमुखीकरण—शैक्षणिक कार्यक्रम, जन शिक्षा, साक्षारता कार्यक्रम, पर्यावरण शिक्षा ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत।

- आर्थिक विकास संबंधी योजनाएं, उन्नत ड्रिल, पी.टी. योग एवं खेल
- चयनात्मक गतिविधियां
- पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण
- स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं पोषण आहार
- आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोंमुखी कार्यक्रम

- समाज सेवा के लिए कार्य
- अन्य गतिविधियां

सामाजिक चेतना हेतु महत्वपूर्ण सप्ताह एवं दिवस

12 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा दिवस
12 से 19 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा सप्ताह
26 जनवरी	:	गणतंत्र दिवस
8 मार्च	:	विश्व महिला दिवस
7 अप्रैल	:	विश्व स्वास्थ्य दिवस
14 अप्रैल	:	अग्निरोधक दिवस
31 मई	:	तम्बाकू निरोध दिवस
5 जून	:	विश्व पर्यावरण दिवस
8 अगस्त	:	स्वतंत्रता आन्दोलन दिवस
12 अगस्त	:	विश्व युवा दिवस
15 अगस्त	:	स्वतंत्रता दिवस
20 अगस्त	:	सद्भावना दिवस
1 से 7 सितम्बर	:	पोषण आहार दिवस
8 सितम्बर	:	विश्व साक्षरता दिवस
21 सितम्बर	:	विश्व अल्जाइमर्स दिवस
24 सितम्बर	:	एन.एस.एस. दिवस
1 अक्टूबर	:	स्वैच्छिक रक्तदान दिवस
2 अक्टूबर	:	गांधी जयंती
2 से 8 अक्टूबर	:	वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह
24 से 30 अक्टूबर	:	यातायात– सप्ताह
19 से 25 नवम्बर	:	कौमी एकता सप्ताह
25 नवम्बर से 1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह
1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरूकता दिवस
5 दिसम्बर	:	विश्व स्वयंसेवक दिवस
10 दिसम्बर	:	विश्व मानवधिकार दिवस

दमोह जिला में रासेयो इकाईयों की सूची

क्र	महाविद्यालय का नाम	पुरूश इकाई		महिला इकाई		योग	
1	पी.एम. एक्सीलेंस ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शा. स्नात. महा. दमोह	02	200	01	100	03	300
2	शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह	—	—	01	100	01	100
3	शासकीय महाविद्यालय पथरिया	01	100	01	100	02	200
4	शासकीय महाविद्यालय हटा	01	100	01	100	02	200
5	शासकीय महाविद्यालय तेन्दूखेड़ा	01	100	01	100	02	200
6	शासकीय महाविद्यालय जबेरा	01	100	—	—	01	100
7	शासकीय महाविद्यालय बटियागढ़	01	100	—	—	01	100
8	शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय दमोह	01	100	—	—	01	100
9	टाइम्स कॉलेज दमोह	01	100	01	100	02	200
	कुल योग	**09**	**900**	**06**	**600**	**15**	**1500**

प्रत्येक इकाई में 100 वालेन्टियर होते है। अतः 9 छात्र इकाई में 9X100= 900 वालेन्टियर तथा 6 छात्रा इकाई में 6X100=600 वालेन्टियर इस प्रकार दमोह जिले के महाविद्यालयों की 15 इकाईयों में 1500 वालेन्टियर पंजीवद्ध है।

अध्ययन के उद्दे□यः— रासेयो वालेन्टियर में नेतृत्व क्षमता एवं नवाचारों की ओर उन्मुख होने की प्रवृत्तियों का अध्ययन करना।

उपकल्पनाः— रासेयो गतिविधियां नवाचारों को प्रोत्साहित करती है जिससे वालेन्टियरों के व्यक्तित्व का विकास होता है।

अध्ययन विधि एवं अध्ययन क्षेत्रः— प्रस्तुत शोध आलेख दमोह जिले के 7 शासकीय महाविद्यालय एक अशासकीय महाविद्यालय तथा 01 तकनीकी संस्थान में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की 15 इकाईयों जिनमें(9 छात्र इकाई में 9X100= 900 छात्र एवं 6 छात्रा इकाईयों 6X100=600 छात्रा) के 1500 वालेन्टियरों में से 7 शासकीय महाविद्यालयों में संक्रीय रासेयो पुरूष इकाईयों के 700 वालेन्टियरों में से प्रत्येक इकाई से 10 वालेन्टियरों का चुनाव उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति के आधार पर 7X10=70 10 प्रतिशत वालेन्टियरों का चुनाव किया गया है।

अध्ययन विधिः— के रूप में वर्णात्मक एवं सह विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि का उपयोग किया गया है। अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही तरह के तथ्यों का संकलन किया गया है। प्राथमिक तथ्यों का संकलन साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र में जाकर किया गया है। जिनमें वालेन्टियरों से रासेयो में होने वाली वर्ष—भर की नियमित गतिविधियों में सहभागिता एवं विशेष शिविर के अनुभव द्वारा सीखे गये व्यवहार एवं आचारण का उनके

विकास (व्यक्तित्व) में कैसे योगदान रहा तथा वालेन्टियर के रूप में उनके सामुदायिक जुड़ाव से संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है।

सारणी क्रमांक–1

रासेयो इकाईयों द्वारा प्रतिवर्ष की जाने वाली गतिविधियों एवं विशेष शिविर में सहभागिता से वालेन्टियरों के व्यक्तित्व विकास में सहायक स्थिति

क्र	गतिविधियाँ	संख्या	प्रति□ात
1	गांव/खेत/संस्थान/घर आदि में वृक्षारोपण किया गया	70	100.00
2	संस्थान/आस–पड़ोस/मंदिर/गांव में साफ–सफाई	70	100.00
3	स्वच्छता कार्यक्रम किया गया	55	78.57
4	नदी/तालाब/कुआ आदि की साफ–सफाई की गई	70	100.00
5	स्वच्छता हेतु जागरूकता रैली निकाली गई	61	87.14
6	पुराने वस्त्रों का संग्रहण कर वितरण किया गया	43	61.43
7	पुस्तकों का संग्रहण एवं वितरण किया गया	36	51.43
8	पशु–पक्षियों हेतु पेयजल एवं दाने की व्यवस्था	59	84.28
9	मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता संदेश	69	98.57
10	सड़क दुर्घटना से पीड़ित लोगों की मदद की गई	47	67.14
11	टीके लगवाने हेतु जागरूकता मुहिम	51	72.85
12	आगनबाड़ी बच्चों हेतु चित्रकला प्रतियोगिता	45	64.28
13	रक्तदान शिविरों में रक्तदान किया गया	68	97.14
14	बालविवाह के दुष्परिणामों से लोगो को जागरूक किया गया	35	50.00
15	एड्स जागरूकता अभियान, रैलिया नुककड़ नाटक	62	88.57
16	महापुरूषों की जयंतियों पर सहभागी	58	82.85
17	विशेष दिवसों पर जागरूकता कार्यक्रमों में सहभागी	63	90.00
18	गॉवों एवं बस्तियों में लोगों से सामूहिक चर्चा	55	78.57
19	विशेष शिविरों में सहभागिता का लाभ	70	100.00
20	पीटी/परेड एवं योगाभ्यास तथा खेल का लाभ	56	80.00

उपरोक्त सारणी क्रमांक–1 में राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित वालेन्टियरों के द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न तरह की गतिविधियाँ रासेयो इकाईयों में की जाती है। जिनका प्रभाव उनपर दिखाई पढ़ता है। वालेन्टियर स्वयं इन प्रभावों से प्रेरित होकर व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से विभिन्न गतिविधियों को अपने गाँव, आस–पडोस, मौहल्लों, मंदिरो एवं विभिन्न संस्थाओं आदि में अनेकों गतिविधियाँ प्रेरणा स्वरूप स्वतः ही करता है। जिसका विवरण निम्न है–

सत् प्रतिशत रासेयो वालेन्टियर वृक्षारोपण सम्बंधी गतिविधियों में संलग्न है। वह अपने परिवार, गाँव, खेत, मंदिर या किसी संस्थान जिनमें वृक्ष नही लगे या कम है वहाँ पर स्वेच्छा से वृक्षों को लगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी प्रकार स्वच्छता एवं साफ सफाई से सम्बंधित गतिविधियों को सत् प्रतिशत् वालेन्टियर स्वेच्छा के सभी स्थानों पर करने में किसी प्रकार की शर्म या झिझक महसूस नही करते है। 78.57 प्रतिशत वालेन्टियरो ने अपने घरों के आस–पास एवं अन्य स्थानों के नदी/तालाबों एवं कुओं को साफ करने में सहयोग दिया वहीं सत् प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली में किसी न किसी रूप में हिस्सा लेकर लोगों को जागरूक करने का काम किया। 87.14 प्रतिशत वालेन्टियरों ने घर के वेस्ट मटेरियल, महाविद्यालय एवं बाजारों में दुकाने से निकले कबाड़ का उपयोग कर कई रचनात्मक उपयोगी वस्तुए बनाई जैसे फोटो फ्रेम, फ्लावर पोट, सजावटी समान, खिलौने, क्राफ्ट तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएँ आदि बनाकर कचरे का सद्उपयोग कर पैसों की बचत की।

61.43 प्रतिशत वालेन्टियरों ने लागों के पुराने कपड़ो को एकत्रित कर वृद्धाश्रम एवं गाँवों के निर्धन बच्चों एवं महिलाओं तक एकत्रित वस्त्रो को पहुचाने में महत्वपूर्ण कार्य किया। 51.43 प्रतिशत वालेन्टियरों ने विभिन्न माध्यमों से संग्रहित की गई पुरानी पुस्तको का वितरण उन लोगों को किया जिन्हे उनकी आवश्यकता थी। 84.28 प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा गर्मी के मौसम में पक्षियों हेतु कई स्थानों पर पानी के सकोंरे की व्यवस्था की गई। 98.57 प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा मादक पदार्थों एवं नशीली वस्तुओं के सेवन से बचाव एक रोक हेतु जागरूकता रैली, परिचर्चा नुककड़ नाटक एवं सभाओं में भाग लेकर लोगों को जागरूक करने का काम किया।

67.14 प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा कई रूपों में सड़क दुर्घटना से ग्रसित लोगों की सहायता कई रूपो में की जैसे उन्हे हॉस्पिटल पहुचाकर उनके घावो रक्तों को बंद करना उन्हे घर पहुचाना आदि। 72.85 प्रतिशत वालेन्टियरों गाँवों में विशेष शिविरों के द्वौरान लोगों में महामारियों के बचाव एवं आयु की विभिन्न अवस्थाओं में लगने वाले टीके के प्रति महिलाओं को विशेष रूप से जागरूक रकने हेतु सामूहिक शिविरों में एवं घर–घर जाकर संदेश देने का काम किया। 64.28 प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा अपने व अपने मित्रों आदि के जन्म दिवस एवं किसी महापुरूष की जयंती के अवसर पर आंगनबाड़ी में जाकर चित्रकला (पोस्टर) प्रतियोगिता का आयोजन बच्चों का उत्साहवर्धन हेतु किया गया। 97.14 प्रतिशत वालेन्टियर ने NSS इकाईयों द्वारा एवं अन्य संस्थाओं द्वारा लगायें जाने वाले रक्तदान शिविरों में स्वयं रक्त दिया तथा अन्य लोगों को रक्तदान करने के प्रति जागरूक किये जाने की बात को स्वीकारा है। 50 प्रतिशत वालेन्टियरों ने बालविवाह को रोकने एवं उसके बुरे प्रभावों से लोगों को अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा बालविवाह को रोकरने में भी पहलकर्त्ता के रूप में सामने आये।

88.57प्रतिशत वालेन्टियरों ने एड्स जागरूकता अभियान एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। 82–85 प्रतिशत वालेन्टियर समाज को दिशा देने वाले एवं स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए महापुरूषों के कार्यक्रमों में भाग लिया तथा उनके जीवन आदर्शों की प्रेरणाओं का भी अनुसरण करने में पहल दिखाई। तथा 90.00

प्रतिशत वालेन्टियर नियमित गतिविधियों के अन्तर्गत कुछ विशेष राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में सहयोग एवं सहभागिता की।

78.57 प्रतिशत वालेन्टियरों द्वारा रासेयो द्वारा प्रसारित विभिन्न स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यक्रमों की चर्चा ग्रामीणों या अपने गाँवों में की वहीं मतदाता जागरूकता अभियान में सघन रूप से ग्रामीणों के समक्ष लोकतंत्र की अनिवार्यता हेतु मतदान के महत्व को समझाया। रासेयो द्वारा प्रतिवर्ष लगाये जाने वाले विशेष शिविरों में सत् प्रतिशत वालेन्टियरों ने हिस्सा लिया उसके अतिरिक्त रासेया राज्य स्तरीय शिविर, एकता शिविर, एड्वेन्चर शिविर राष्ट्रीय यूथ फैस्टिवल एवं अन्य संस्थाओं जिनमें अजीम प्रेमजी फाऊण्डेशन द्वारा आयोजित शिविरों में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व का विकास किया गया। इन सब के अतिरिक्त स्वयं की शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करने एवं ध्यान योग पीटी परेड़ आदि में 80 प्रतिशत वालेन्टियरों ने सहभगिता कर स्वयं के विकास हेतु सहभागिता किया करते है।

तथ्यों का वि□लेशण :–प्रस्तुत शोध आलेख में रासेयो वालेन्टियरों में नेतृत्व क्षमता एवं नवाचारों की ओर उन्मुख होने की प्रतृत्तियों की दिशा मे जो तथ्य प्राप्त हुये है। उससे यह स्पष्ट होता है की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सामुदायिक जुड़ाव, स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक विकास, कुपोषण, महामारी एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों जो महाविद्यालय में B एवं C सार्टिफिकेट के अंतर्गत नियमित गतिविधियों एवं विशेष शिविरों के माध्यम से संचालित की जाती है। जिनसे वालेन्टियर प्रशिक्षित होकर संस्थानों के अतिरिक्त अपने निजी जीवन में अपने परिवार आस पड़ोस एवं गांव आदि में निस्वार्थ भाव एवं समर्पण के साथ अपने देश के अच्छे नागरिक होने के कर्त्तव्यों का निर्वाहन कर स्वयं के व्यक्तित्व के साथ–साथ देश के विकास में भी योगदान देता है।

उपकल्पना का सत्यापनः–शोध छात्र प्रस्तुत शोध प्रपत्र हेतु एक कार्यकारी उपकल्पना का निर्माण किया गया– रासेयो गतिविधियां नवाचारों को प्रोत्साहित करती है। जिसमें वालेन्टियरों के व्यक्तित्व का विकास होता है। वैध पाई गई जिसकी पुष्ठी सारणी क्रमांक–1 से प्राप्त तथ्यों से स्पष्ट होती है।

निश्कर्शः– उपरोक्त तथ्यों के आधार यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना जिन प्रारंभिक उद्देश्यों के साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष में संचालित है जिसकी नियमित गतिविधियों एवं विशेष शिविर की गतिविधियां वालेन्टियरों के व्यक्तित्व का विकास उसमें नेतृत्व क्षमता का विकास करने तथा वालेन्टियरों को एक उपयोगी मानव पूंजी का निर्माण करती है। जिससे वालेन्टियर देश एवं समाज के लिए एक संसाधन की तरह उपयोगी पूंजी बन जाता है।

सुझावः–राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अनेको नवाचारो द्वारा विद्यार्थियो के विकास उनमें परिस्थितियों के साथ शीघ्र अनुकूलन कर लेने की क्षमता का विकास होता है। अतः रासेयो गतिविधियां ही प्रेरक की भांति वालेन्टियरों का निखार कर उपयोगी मानव पूंजी बनाती है। इसलिए देश की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए।

संदर्भ सूची

1. राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वयं सेवक दैननन्दिनी, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम, भाग्योदय प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, मथुरा (उ.प्र.) पृ. सं. 4
2. राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वयं सेवा दैनन्दिनी, भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित उपक्रम, भाग्योदय प्रकाशन, मथुरा (उ.प्र.) पृ.स.03
3. राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, मार्गदर्शिका 03 से 09 जनवरी 2020, ग्राम झोतेश्वर तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर, आयोजन–मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग राज्य स्तर रासेयों (प्रकोष्ट) भोपाल (म.प्र.) पृ.सं. 8
4. राष्ट्रीय सेवा योजना संहिता (1987) भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय युवा कार्य और खेल विभाग नई दिल्ली, पृ.सं. 9,10
5. राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वयं सेवक दैननन्दिनी, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम, भाग्योदय प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, मथुरा (उ.प्र.) पृ. सं. 6 से 19
6. वही पृ. सं. 20, 21